

**सर्पांगी स्त्री.** (तत्.) सरहँटी, नकुल कंद, सिंहली पीपल।

**सर्पा स्त्री.** (तत्.) 1. साँपिनी, सर्पिणी 2. फणि-लता।

**सर्पाक्ष पुं.** (तत्.) 1. रुद्राक्ष, शिवाक्ष 2. सर्पाक्षी, सरहँटी।

**सर्पाक्षी स्त्री.** (तत्.) 1. सरहँटी, गंध नाकुली 2. सफेद अपराजिता 3. शंखिनी।

**सर्पादनी स्त्री.** (तत्.) 1. गंध नाकुली, गंधरास्ना, रास्ना 2. नकुल कंद।

**सर्पाभ वि.** (तत्.) साँप जैसा, साँप से मिलता-जुलता।

**सर्पाराति पुं.** (तत्.) साँप का शत्रु, गरुड़, मयूर, नेवला।

**सर्पारि पुं.** (तत्.) 1. गरुड़ 2. नेवला 3. मोर।

**सर्पावास पुं.** (तत्.) 1. सर्पग्रह, साँप के रहने का स्थान, साँप का बिल 2. चंदन का पेड़।

**सर्पाशन वि.** (तत्.) साँप जिसका भोजन हो 1. गरुड़ 2. नेवला 3. मोर।

**सर्पास्य वि.** (तत्.) साँप के समान मुख वाला।

**सर्पास्या स्त्री.** (तत्.) पुराण के अनुसार इस नाम की एक योगिनी।

**सर्पि पुं.** (तत्.) घृत, घी।

**सर्पिका स्त्री.** (तत्.) 1. छोटा साँप 2. एक प्राचीन नदी।

**सर्पिणी स्त्री.** (तत्.) 1. साँपिन, मादा साँप 2. भुजंगी नाम की लता 3. रहस्य सम्प्रदाय में माया की एक संज्ञा।

**सर्पित वि.** (तत्.) 1. सर्प के रूप में 2. साँप की तरह टेड़ा-मेड़ा चलता या रेंगता हुआ 3. साँप के काटने से शरीर में होने वाला घाव, सर्पदंश।

**सर्पिल वि.** (तत्.) सर्पित साँप की तरह टेड़ा-मेड़ा होकर आगे बढ़ने वाला।

**सर्पी वि.** (तत्.) 1. रेंगने वाला 2. धीरे-धीरे चलने वाला।

**सर्पेश्वर पुं.** (तत्.) सर्पों के मालिक, वासुकि, सर्पराज।

**सर्पेष्ट पुं.** (तत्.) सर्प का इष्ट अर्थात् चन्दन का वृक्ष।

**सर्पोन्माद पुं.** (तत्.) आयु. उन्माद रोग का एक भेद जिसमें रोगी साँप की तरह फुफकराने लगता है।

**सर्फ वि.** (अर.) व्ययित, खर्च किया हुआ पुं. शब्द शास्त्र, व्याकरण।

**सर्फा पुं.** (अर.) 1. खर्च, व्यय 2. किफायत, मितव्यय 3. मनुष्य की एक स्थिति जब वह धन जोड़ने के पीछे अपनी आवश्यकताओं पर भी खर्च नहीं करता।

**सर्बरी स्त्री.** (तत्.) शर्वरी, रात, रात्रि।

**सर्रा पुं.** (अनु.) लोहे या लकड़ी की छड़ जिस पर गरारी घूमती है। धुरी, धुरा।

**सर्राटा पुं.** (अनु.) तेज हवा का शब्द, सरसराहट, सरसर की आवाज।

**सर्राणा अ.क्रि.** (अनु.) सरसर करते हुए आगे बढ़ना, सरसर की आवाज।

**सर्व वि.** (तत्.) 1. आदि से अंत तक, समस्त, सारा 2. शिव 3. विष्णु 4. पारा 5. रसौत 6. शिलाजीत।

**सर्वक वि.** (तत्.) सभी, समस्त, सारा, संपूर्ण।

**सर्वकर्ता पुं.** (तत्.) ब्रह्मा।

**सर्वकष वि.** (तत्.) 1. सबको कष्ट देने वाला, पीड़ित करने वाला 2. सब से कुछ न कुछ ऐंठकर या छीन-झपटकर ले लेने वाला 3. दुष्ट व्यक्ति, पापी 4. पाप।

**सर्वकाम वि.** (तत्.) 1. सब प्रकार की कामनायें रखने वाला 2. सब प्रकार की कामनायें पूरी